भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 1363

दिनांक 09 फरवरी , 2024 को उत्तर देने के लिए

स्वास्थ्य अनुसंधान संबंधी बजटीय आबंटन

1363. श्री पोचा ब्रह्मानंद रेड्डी:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान स्वास्थ्य अनुसंधान के संबंध में बजटीय आबंटन और वास्तविक व्यय का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का स्वास्थ्य अनुसंधान पर व्यय बढ़ाने का विचार है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या सरकार ने स्वास्थ्य अनुसंधान में चरणबद्ध वृद्धि करने के लिए कोई कार्यनीति/रूपरेखा तैयार की है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मन्त्री

(प्रो. एस.पी. सिंह बघेल)

(क) से (ङ): पिछले तीन वर्षों के लिए स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के संबंध में बजटीय आबंटन और वास्तविक व्यय का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

			करोड़ रुपये में
वर्ष	बजटीय अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक व्यय
2020-21	2100.00	4062.30	3124.59
2021-22	2663.00	3080.00	2690.60
2022-23	3200.65	2775.00	2432.11
वर्ष 2020-21, 2021-22 और 2022-23 में कोविड-19 संबंधित गतिविधियों के लिए क्रमशः 2100.00 करोड़ रुपये, 526.28 करोड़ रुपये और 323.00 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई।			

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग का सृजन वर्ष 2007-08 में एक नए विभाग के रूप में किया गया था और देश में स्वास्थ्य अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू होने के बाद वर्ष 2013-14 से इसका पूर्ण कार्यकरण शुरू हो गया था। तब से, मुख्य रूप से भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के माध्यम से डीएचआर की गतिविधियों और अनुसंधान कार्यक्रमों में वृद्धि के साथ, बजट और खर्च बढ़ रहा है। स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग का बजटीय आवंटन वर्ष 2008-09 में 567.00 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 2892.83 करोड़ रुपये हो गया है। विभाग ने स्वास्थ्य अनुसंधान क्षमता को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान अवसंरचना का निर्माण किया है, संक्रामक और असंचारी रोगों में स्वास्थ्य अनुसंधान गतिविधियों को शुरू किया है, मानव संसाधनों को प्रशिक्षित किया है और कोविड-19 महामारी सहित संक्रामक रोगों के प्रकोप/महामारी को रोकने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) के तहत 4 क्षेत्रीय राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान, राष्ट्रीय वन हेल्थ संस्थान, क्षेत्रीय अनुसंधान प्लैटफ़ार्म को मजबूत करने और संक्रामक रोगों के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करने वाली अनुसंधान गतिविधियों की स्थापना के लिए भी कदम उठाए गए हैं। इसके अलावा, आईसीएमआर ने कैंसर, मानसिक स्वास्थ्य, तपेदिक, रोगाणुरोधी प्रतिरोध और वन हेल्थ सहित 11 राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए अनुसंधान कार्यक्रम शुरू किया है।

*****